

हाउसहोल्ड वित्तीय बचतों के प्रारंभिक अनुमान – 2020-21 की पहली तिमाही*

2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड वित्तीय बचतों के प्रारंभिक अनुमानों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है जो कि कोविड-19 के बाद बनी परिस्थितियों के कारण अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की हाउसहोल्ड वित्तीय बचतों में हुई वृद्धि के अनुरूप ही है। भारत में हाउसहोल्ड वित्तीय बचतों में हुई बड़ी वृद्धि बेमौसमी है और ऐसा लगता है कि यह कोविड-19 के कारण विवेकपूर्ण खर्च में आयी कमी और इसी से जुड़ी जबरन बचत तथा निकट भविष्य में आय के प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण एहतितातन की जाने वाली बचत का प्रभाव है। वित्तीय बचतों में हुई वृद्धि का जो अनुमान व्यक्त किया गया है, वह अन्य उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से मेल खाता है, खास तौर पर निजी अंतिम उपभोग खर्च में आयी गिरावट से एवं बाह्य चालू खाते में उत्पन्न अधिशेष की स्थिति से।

भूमिका

जून 2020 के भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन में हाल के तीन वर्षों में (2017-18 से 2019-20) हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के तिमाही आंकड़े (जिसमें हाउसहोल्ड वित्तीय बचतें भी शामिल हैं) प्रकाशित किए गए थे। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में कोविड-19 के प्रभाव, जो कि जीडीपी के शुरुआती सरकारी आंकड़ों से पहले ही स्पष्ट हो चुका है, के कारण महत्वपूर्ण समष्टि आर्थिक संकेतकों से जुड़े आंकड़ों में उत्पन्न हुए बड़े अंतराल के मद्देनजर इस आलेख में 2020-21 की पहली तिमाही के लिए हाउसहोल्ड वित्तीय बचत के प्रारंभिक अनुमान व्यक्त करने का प्रयास किया गया है। इस तिमाही के दौरान भारत के जीडीपी में वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर 23.9 प्रतिशत का संकुचन हुआ और निजी उपभोग में 26.7 प्रतिशत (व-द-व) की गिरावट आयी, जिससे हाउसहोल्ड बचत में भी समतुल्य बड़े बदलावों के संकेत मिलते हैं। कोविड-19 का प्रभाव कितना पड़ा,

* यह लेख राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक के संजय कुमार हांसदा, अनुपम प्रकाश और आनंद प्रकाश एक्का द्वारा तैयार किया गया है। लेखकगण डॉ. मृदुल कुमार सागर के आभारी हैं, जिन्होंने ड्राफ्ट पर गहन विचार-विमर्श के लिए अपना समय दिया। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

इसका सटीक आकलन करने में अभी समय लगेगा, क्योंकि इससे जुड़े जो भी अंतिम आंकड़े उपलब्ध हैं वे काफी पीछे के हैं। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के दौरान जहाँ एक ओर हाउसहोल्ड वित्तीय बचत के प्रमुख निर्धारकों, मुख्य रूप से आय (जीडीपी) और ब्याज दर में काफी परिवर्तन हुआ, वहीं गैर-ज़रूरी वस्तुओं के उपभोग में, एहतितातन बचत और उपभोग सुगमता के लिए हाउसहोल्ड्स द्वारा उधार/कर्ज लेने में भी बदलाव देखा गया। इस आलेख को मूर्त रूप देने के पीछे निहित प्रमुख प्रेरणा है - हाउसहोल्ड वित्तीय बचत जैसे एक अति महत्वपूर्ण समष्टि आर्थिक चर के बारे में विद्यमान सूचना के अभाव को दूर करना।

शेष आलेख पाँच भागों में विभाजित है। भाग II में समग्र रूप से हाउसहोल्ड वित्तीय बचत के प्रारंभिक अनुमानों पर चर्चा की गयी है। भाग III कोविड-19 के कारण हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में हुई वृद्धि की जाँच वैश्विक परिप्रेक्ष्य में करता है। भाग IV हाउसहोल्ड वित्तीय आस्तियों और देयताओं में बैंकिंग क्षेत्र के लिखतों के वर्चस्व को दर्शाता है। भाग V में हाउसहोल्ड्स के तुलन-पत्र के आस्ति और देयता दोनों पक्षों में हुए महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। भाग VI में निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं। हाउसहोल्ड वित्तीय आस्तियों और देयताओं में लिखत-वार निधि-प्रवाह की सारणीबद्ध प्रस्तुति अनुबंध में देखी जा सकती है।

II. प्रारंभिक अनुमान: प्रमुख आंकड़े

इस आलेख में प्रस्तुत प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि 2020-21 की पहली तिमाही में घरेलू वित्तीय बचत में सकल घरेलू उत्पाद के 21.4 प्रतिशत के समतुल्य वृद्धि हुई है जो कि 2019-20 की पहली तिमाही के 7.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 10.0 प्रतिशत से अधिक है (सारणी 1)।

संभव है कि हाउसहोल्ड्स में महामारी के दौरान बचत की प्रवृत्ति मुख्य रूप से दो कारणों से उत्पन्न हुई हो। पहला, हाउसहोल्ड्स अपने सामान्य स्तर तक उपभोग करने में असमर्थ हो जाने के कारण अधिक बचत करने के लिए मजबूर हुए हों। कोविड-पूर्व की अवधि के दौरान वे जितनी चीजों का उपभोग किया करते थे, संभवतः अब उनकी संख्या अपेक्षाकृत सीमित रह गयी हो। दूसरा, यह भी हो सकता है कि उन्होंने भविष्य में अपनी आय के बारे में अनिश्चितता के कारण अपनी एहतिताती बचत को बढ़ा दिया हो, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों से इस प्रकार की चेतावनी भरी प्रतिक्रियाएं मिलती रही हैं जिनमें नौकरियाँ वास्तव

सारणी 1: हाउसहोल्ड वित्तीय बचत

₹ लाख करोड़

	2018-19					2019-20					2020-21
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1*
वित्तीय बचत (ए-बी)	2.76 (6.1)	2.29 (4.9)	2.13 (4.4)	6.56 (13.2)	13.73 (7.2)	3.86 (7.9)	4.31 (8.8)	3.31 (6.4)	5.32 (10.0)	16.81 (8.3)	8.16 (21.4)
ए. वित्तीय परिसम्पत्तियों का प्रवाह	3.58 (7.9)	4.82 (10.4)	3.52 (7.3)	9.31 (18.8)	21.23 (11.1)	3.90 (7.9)	5.70 (11.6)	5.47 (10.6)	7.13 (13.4)	22.19 (10.9)	8.27 (21.7)
बी. वित्तीय देनदारियों का प्रवाह	0.83 (1.8)	2.53 (5.5)	1.38 (2.9)	2.75 (5.6)	7.50 (3.9)	0.03 (0.1)	1.39 (2.8)	2.16 (4.2)	1.80 (3.4)	5.38 (2.6)	0.11 (0.3)

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में हैं।

*: अनुमान इस धारणा पर आधारित हैं कि जमा राशियों में हाउसहोल्ड्स की हिस्सेदारी उतनी ही बनी हुई है जितनी 2019-20 की चौथी तिमाही में थी।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणना

में छूट जाने और भविष्य में छूटने की आशंका की बातें की जाती रही हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2019-20 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में हाउसहोल्ड्स की वित्तीय बचत के प्रारंभिक अनुमान व्यक्त करते हुए इसे सकल घरेलू उत्पाद का 7.7 प्रतिशत (जीएनडीआई का 7.6 प्रतिशत) बताया था जो अब संशोधित होकर जीडीपी का 8.3 प्रतिशत हो गयी है¹। इस लेख में 2018-19 से सीरीज को भी अपडेट किया गया है। आंकड़ों में हुए इस संशोधन में मुख्य योगदान बैंक ऋण, बैंक जमा में हाउसहोल्ड्स की हिस्सेदारी और हाउसहोल्ड्स द्वारा बीमा पॉलिसियों को खरीदने संबंधी अद्यतन जानकारी का है।

III. वैश्विक स्तर पर हाउसहोल्ड्स बचत को बढ़ाने में कोविड-19 का प्रभाव

वैश्विक रूप से, COVID-19 के कुप्रभाव के कारण लॉकडाउन में हाउसहोल्ड्स में एहतियाती बचत / जबरन बचत की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह जबरन बचत का तत्त्व इस प्रकार आया कि वायरस के प्रभाव को रोकने के लिए उठाए गए लॉकडाउन के कदम से हाउसहोल्ड्स जितनी वस्तुओं का उपभोग पहले किया करते थे, उनमें से बहुत सी चीजों का इस्तेमाल करने में वे अब असमर्थ हो गए। इसके अलावा, अचानक महामारी के प्रकोप के कारण भविष्य में उनकी आय से जुड़ी अनिश्चितता और विशेष रूप से, आगे चलकर बेरोजगारी के खतरे की वजह से एहतियाती बचत में वृद्धि हुई (एर्कोलानी, 2020)। हाउसहोल्ड्स बचत में

अचानक वृद्धि दुनिया भर के आधिकारिक आंकड़ों में देखी गयी। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में, व्यक्तिगत बचत दर मार्च 2020 के 12.9% की तुलना में अप्रैल 2020 में बढ़कर 20.7 प्रतिशतता अंकों तक पहुंच गयी (प्रयोज्य आय की 33.6 प्रतिशत)², और यूके में 2020 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड्स बचत अनुपात³ प्रयोज्य आय के 9.6% से बढ़कर 2020 की दूसरी तिमाही में 29.1 प्रतिशत हो गया⁴। भारतीय संदर्भ में, कथित तौर पर यह देखा गया है कि जबरन बचत औपचारिक क्षेत्र में बढ़ी है क्योंकि वहाँ आय की निरंतरता बनी रही है, परंतु अनौपचारिक क्षेत्र में नियोजित श्रम का एक बड़े हिस्से ने अपना उपभोग तो घटाया ही है अपितु आय की निरंतरता न रहने तथा घटी हुई आय में भी एहतियातन बचत में वृद्धि की है⁵।

IV. हाउसहोल्ड्स की वित्तीय परिसम्पत्तियों / देयताओं में बैंकिंग लिखतों की बड़ी हिस्सेदारी

भारत में हाउसहोल्ड्स की वित्तीय बचत उनके द्वारा बैंकिंग क्षेत्र में किए गए जमा और लिए गए उधार से अत्यधिक प्रभावित होती है। हाउसहोल्ड्स की वित्तीय परिसम्पत्तियों / देयताओं का

¹ राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जनवरी 2020 में जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018-19 के लिए हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत जीडीपी का 6.5 प्रतिशत रही है। एनएसओ द्वारा वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत के अनुमानित आंकड़े क्रमशः 29 जनवरी 2021 और 31 जनवरी 2022 को जारी किए जाएंगे।

² "खर्च करने और करों का भुगतान करने के बाद लोगों के पास जो पैसा बचा रह जाता है, वह उनकी व्यक्तिगत बचत होती है। व्यक्तिगत बचत दर उनकी प्रयोज्य आय का प्रतिशत है जिसे लोग बचाते हैं", आर्थिक विश्लेषण ब्यूरो, यूएसए।

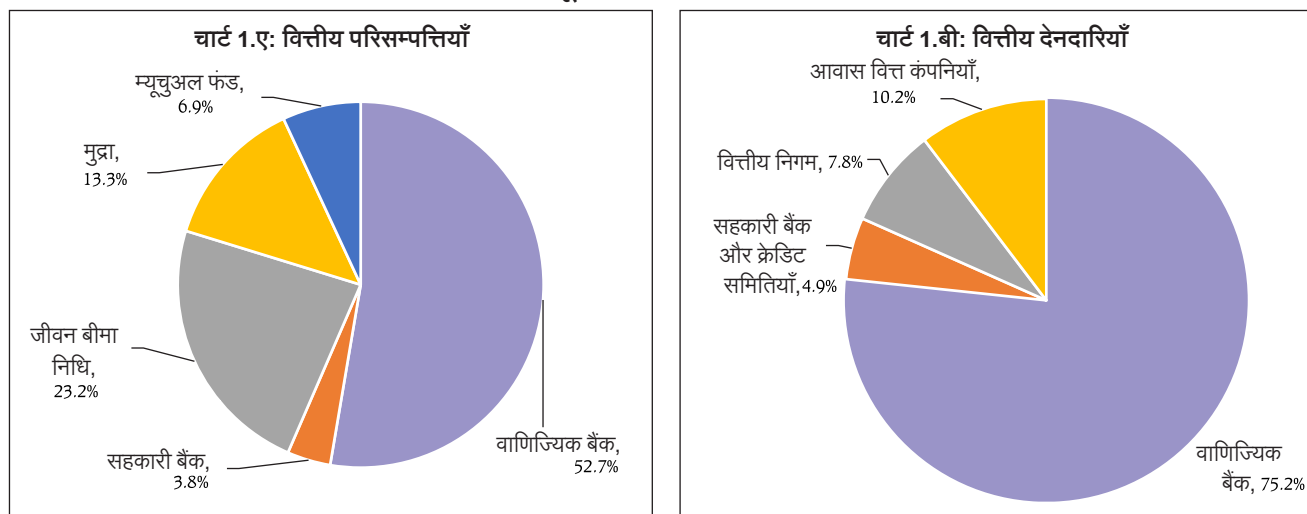
³ आर्थिक विश्लेषण ब्यूरो, यूएसए, वाणिज्य विभाग (<https://www.bea.gov/data/income-saving/personal-saving-rate>).

⁴ बचत अनुपात बचायी गयी प्रयोज्य आय का प्रतिशत होती है (घरेलू बचत को हाउसहोल्ड प्रयोज्य आय से विभाजित करके)।

⁵ राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, यूनाइटेड किंगडम (<https://www.ons.gov.uk/economy/grossdomesticproductgdp/timeseries/dgd8/ukea>).

⁶ द इंडियन एक्सप्रेस, "सेक्शन ऑफ हाउसहोल्ड्स सी राइज़ इन सेविंग्स आफ्टर लॉकडाउन", 09 जुलाई 2020, <https://indianexpress.com/article/business/sections-of-households-see-rise-in-savings-after-lockdown-6496812/>.

चार्ट 1: हाउसहोल्ड वित्तीय परिसम्पत्तियों और देनदारियों का संघटन- बकाया की स्थिति (जून 2020 की स्थिति)



टिप्पणी: यह चार्ट कुछ चुनिंदा वित्तीय लिखतों के आधार पर तैयार किया गया है जिनके लिए आंकड़े उपलब्ध हो सके।

बड़ा हिस्सा बैंक जमा और बैंक ऋण का होता है, क्रमशः लगभग 56 प्रतिशत और 80 प्रतिशत⁷ (चार्ट 1.ए और 1.बी)।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जून 2020 में भारत में सकल बैंक जमाराशियों ने लगभग ₹138.7 लाख करोड़ का आंकड़ा छुआ है, जो मार्च 2020 के बाद से ₹3.0 लाख करोड़ की वृद्धि दर्शाता है, जबकि अग्रिमों में मार्च 2020 की तुलना में गिरावट आयी है और वे ₹102.5 लाख करोड़ से थोड़ा अधिक रह गए हैं। इससे अप्रैल-जून 2020 तिमाही के दौरान जमा संग्रहण और क्रेडिट वितरण के बीच की खाई को चौड़ा कर दिया है।

जून 2020 तक बैंकों के पास जमाओं में वर्ष-दर-वर्ष 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि 2019-20 में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी और जून 2019 के अंत में यह 10 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मार्च 2020 के बाद पिछले तीन महीनों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में 40 बीपीएस की और भी गिरावट आने के बावजूद हुई है। इसके विपरीत, जून 2020 में क्रेडिट वृद्धि दर जून 2019 की 12 प्रतिशत से कम होकर 6.2 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जमा और क्रेडिट वृद्धि के बीच विचलन

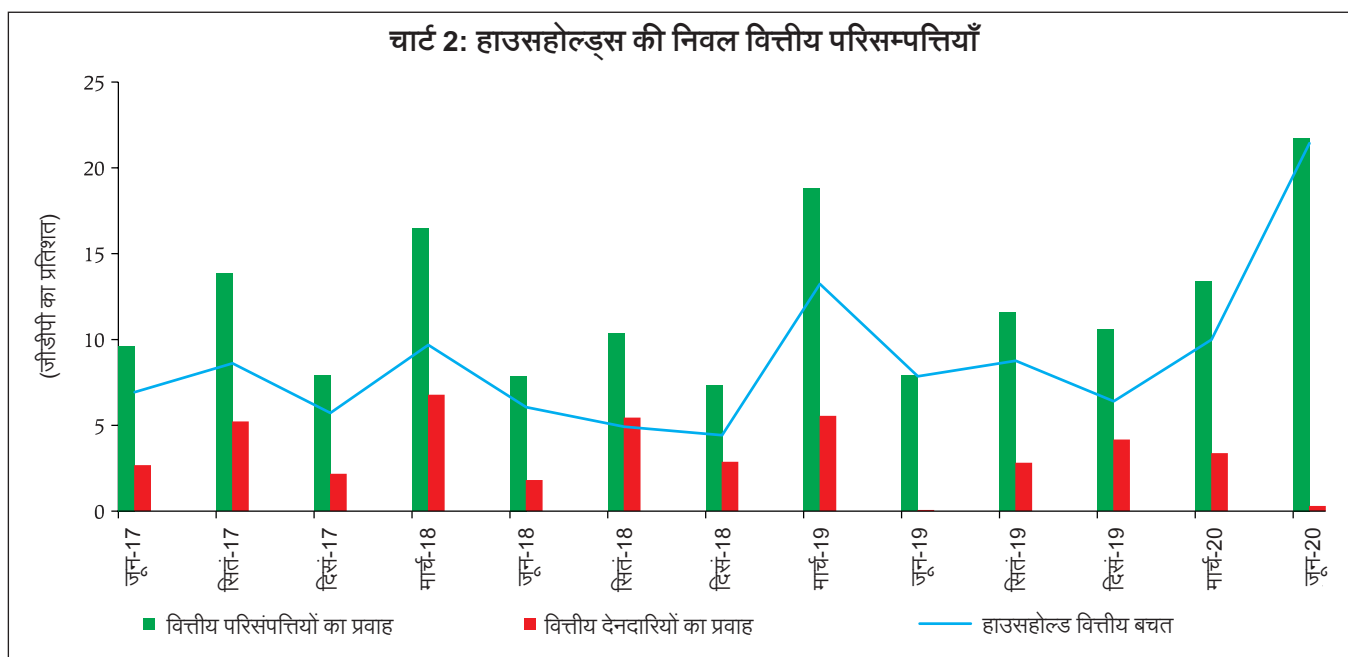
ने हाउसहोल्ड्स की निवल वित्तीय बचत को बढ़ाने में योगदान दिया है।

V. प्रारंभिक अनुमान: गहन अन्वेषण

ऐसा अनुमान है कि 2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में तेजी से वृद्धि होने का अनुमान है जिससे क्रेडिट और जमा में वृद्धि का रुझान परिलक्षित होता है (चार्ट 2)। यदि यह मान लिया जाए कि 2020-21 की पहली तिमाही में कुल जमा में हाउसहोल्ड्स की भागीदारी अपरिवर्तित रही, तो 2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत जीडीपी के 21.4 प्रतिशत के बराबर ठहरती है। कोविड-19 के प्रभाव के कारण औपचारिक क्षेत्र में नियोजित हाउसहोल्ड्स के विवेकाधीन खर्चों में आयी गिरावट तथा जबरन बचत और अनौपचारिक क्षेत्र में नियोजित हाउसहोल्ड्स की बाधित/कम हो चुकी आय के बावजूद उनके द्वारा एहतियातन की जाने वाली बचत में आया तेज उछाल बेमौसम है और इस पर ध्यान देना जरूरी है। सांकेतिक जीडीपी में हुई उल्लेखनीय कमी से भी हाउसहोल्ड वित्तीय बचत-जीडीपी अनुपात बढ़ा है। इतना ही नहीं, निरपेक्ष रूप से भी हाउसहोल्ड वित्तीय बचत (वास्तविक और सांकेतिक दोनों) बढ़ी है।

मौसमी कारकों की वजह से वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में आम तौर पर हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत चरम पर होती है,

⁷ जमाराशियों में हाउसहोल्ड्स की हिस्सेदारी से संबंधित 2019-20 तक के आधिकारिक आंकड़े आरबीआई द्वारा प्रकाशित आधारभूत सांख्यिकीय विवरणी में उपलब्ध हैं।



जिसके बाद पहली तिमाही में यह कम हो जाती है (प्रकाश, और अन्य, 2020)। तदनुसार, बीते समय में हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत के तिमाही अनुमानों में भिन्नता भी देखी गई है। हाल के दिनों में जीडीपी का उच्च स्तर 2018-19 की चौथी तिमाही में देखा गया जो 13.2 प्रतिशत था (सारणी 1)।

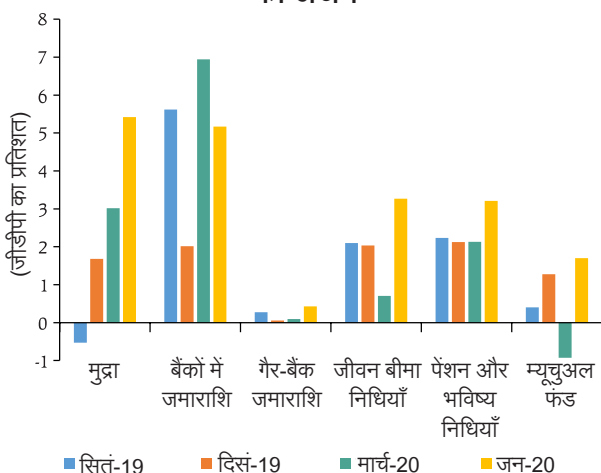
वर्ष 2020-21 में हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत में उल्लेखनीय वृद्धि के पीछे मुख्य अवलोकन और कारण निम्नवत हैं :-

- हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने और हाउसहोल्ड वित्तीय देनदारियों में कमी आने से 2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में वृद्धि हुई।
- हाउसहोल्ड वित्तीय परिसंपत्तियों में वृद्धि में सर्वाधिक योगदान म्यूचुअल फंडों, बीमा उत्पादों और मुद्रा के रूप में हाउसहोल्ड्स की धारिता का था। म्यूचुअल फंडों में हाउसहोल्ड बचत बढ़कर 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी के 1.7 प्रतिशत तक पहुंच गयी जबकि यह 2019-20 की चौथी तिमाही में (-) 0.9 प्रतिशत और 2019-20 की पहली तिमाही में 0.2 प्रतिशत रही थी। बीमा उत्पादों में हाउसहोल्ड बचत बढ़कर 3.3 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है जबकि

समान अवधि में यह क्रमशः 0.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत थी। इसी तरह, हाउसहोल्ड द्वारा मुद्रा धारिता 2019-20 की चौथी तिमाही के 3.0 प्रतिशत तथा 2019-20 की पहली तिमाही के 1.3 प्रतिशत से बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गयी (चार्ट 3 ए और संलग्नक I)।

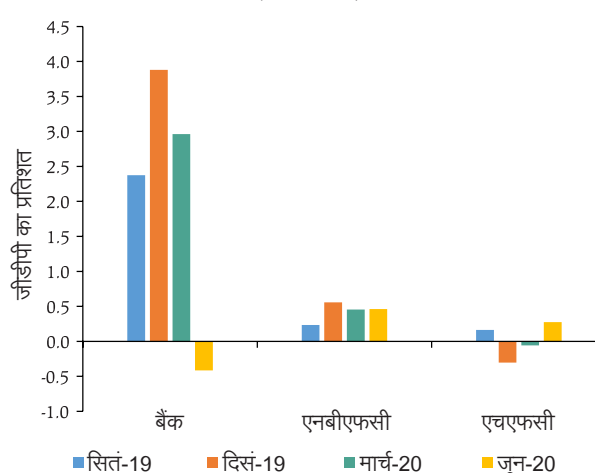
- ऐसा प्रतीत होता है कि बैंक डिपॉजिट पर प्रतिलाभ कम मिलने के कारण म्यूचुअल फंडों की ओर निधियों का प्रवाह बढ़ा और कोविड-19 के कारण मार्च 2020 में शुरुआती झटकों के बाद शेयर बाजार नई ऊंचाइयाँ छूने लगा।
- बीमा उत्पादों में अभिदान में हुई वृद्धि यह दर्शाती है कि महामारी के कारण हाउसहोल्ड्स में जीवन बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इस प्रकार के आपातकाल में, जीवन बीमा एक आवश्यकता बन गया है, न कि केवल लाभ का विषय (माजी, 2020)।
- दूसरी ओर, हाउसहोल्ड्स द्वारा धारित मुद्रा में हुई वृद्धि इस बात का परिचायक है कि वे महामारी के कारण आयी अतिशय असुरक्षा से लड़ने के लिए सुरक्षा की तलाश में 'नकदी की होड़' में लग गए (आरबीआई, 2020)।

चार्ट 3.ए: हाउसहोल्ड्स द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों का अर्जन



एनबीएफसी: गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ एचएफसी: आवास वित्त कंपनियाँ

चार्ट 3.बी: हाउसहोल्ड्स द्वारा वित्तीय देनदारियाँ उत्पन्न करना



- यद्यपि बैंक जमा के रूप में बचत किसी भी वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में आम तौर पर ऋणात्मक स्तर पर पहुंच जाती है, तथापि ऐसा अनुमान है कि यह 2020-21 की पहली तिमाही में बढ़कर जीडीपी के 5.2 प्रतिशत के धनात्मक स्तर पर रहेगी। यह वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में निजी उपभोग में आये 26.7 प्रतिशत के गंभीर संकुचन से भी समर्थित है। इसके अतिरिक्त, लॉकडाउन के दौरान, जब गरीबों की आय अधिक प्रभावित होने की संभावना थी, अप्रैल-जून तिमाही में उनके जन-धन जमा खातों में शेष राशि में संचयी रूप से लगभग ₹400 प्रति खाता की वृद्धि देखी गयी जो संभवतः प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत इन खातों में डाली गयी उस राशि के कारण था जो इनके लाभार्थियों को महामारी के चलते होने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए प्रदान की गयी थी।⁸ ऐसा लगता है कि गरीब लोगों ने अपनी आय के बाधित/घट जाने की बावजूद इस पैसे के कुछ हिस्से को बचत के रूप में रखा है।
- ऐसा अनुमान है कि बैंकों से लिए जाने वाले ऋण में संकुचन आने के कारण हाउसहोल्ड्स की वित्तीय

देनदारियों में कमी आयी है। जमा राशि में हुई भारी वृद्धि और रिजर्व बैंक द्वारा बैंकिंग प्रणाली में किए गए चलनिधि अंतर्वेशन के कारण बैंकों के पास पर्याप्त चलनिधि मौजूद है; लेकिन मांग में कमी आने और अनिश्चितता वाले माहौल में ऋण देते हुए वे सशंकित हैं और उन्हें भय है कि उनके अनर्जक ऋणों में वृद्धि न हो जाए (चार्ट 3. बी)। एनबीएफसी, जो कि हाउसहोल्ड्स के लिए ऋण के दूसरे सबसे बड़े स्रोत हैं, का कारोबार भी मंद रहा है जिससे यह प्रकट होता है कि अचल संपत्ति और यात्री वाहनों की माँग में कमी आयी है।

VI. निष्कर्ष

2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में अभूतपूर्व वृद्धि केवल भारत में ही नहीं हुई। हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में इस वृद्धि को कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है, जिसने प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं की माँग और आपूर्ति दोनों को गंभीर आघात दिए हैं। भविष्य में जैसे-जैसे कोविड का वक्र समतल होगा और लॉकडाउन वापस ले लिया जाएगा, उपभोगों के कुछ प्रकारों विशेष रूप से, विवेकाधीन घटक में तेजी आएगी। बैंकों में जमा का बढ़ना, ऋण की गिरती माँग और उधार देने के लिए बैंकों की अनिच्छा ने बचत को बढ़ा दिया है। बाहरी मोर्चे पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था, जिसने

⁸ द इंडियन एक्सप्रेस, वही।

परंपरागत रूप से भुगतान संतुलन के चालू खाते में घाटा ही देखा है, उसमें 2020-21 की पहली तिमाही में अधिशेष देखा गया। चूंकि चालू खाता शेष आमतौर पर बचत-निवेश अंतराल की तस्वीर हुआ करता है, पहले वाला यदि अधिशेष की स्थिति में होता है तो इसका तात्पर्य है कि पहली तिमाही में घरेलू बचत निवेश की तुलना में अधिक रही। इस बात की पुष्टि अर्थव्यवस्था में कमजोर पड़ती घरेलू मांग से भी होती है जो कि हाउसहोल्ड क्षेत्र की बढ़ी हुई बचत में प्रतिबिंबित होती है।

हाउसहोल्ड वित्तीय बचत के सामान्य से अधिक रहने की प्रवृत्ति आगे भी कुछ समय तक बनी रह सकती है, जब तक कि महामारी का प्रभाव कम नहीं हो जाता और उपभोग अपने सामान्य स्तर पर नहीं पहुंच जाता। यह भी कहना उचित है कि हाउसहोल्ड की वित्तीय बचत संबंधी जो डेटा इस लेख में दिए गए हैं, वे प्रारंभिक हैं और भविष्य में इनका स्थान संशोधित आंकड़े ले सकते हैं। वित्तीय बचत में हुई वृद्धि का सही आकलन कुछ वर्षों बाद ही किया जा सकेगा। इस बीच, वित्तीय अधिशेष के एक बहुत बड़े भाग का लाभ अभिनव तरीके से मध्यस्थता के लिए उठाया जा सकता है। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड वित्तीय बचत में हुई अभूतपूर्व वृद्धि समय के साथ कम होने की उम्मीद है, विशेष रूप से तब जब कोविड वक्र समतल होने लगेगा और हाउसहोल्ड्स खर्च करना शुरू करेंगे और आगे आने वाली तिमाहियों में आर्थिक गतिविधियों में फिर से तेजी आएगी।

संदर्भ

Ercolani, Valerio (2020), "Covid-induced Precautionary Saving in the US: The Role of Unemployment Rate", Analysis of Current Economic Conditions and Policy, Econbrowser, <http://econbrowser.com/archives/2020/06/guest-contribution-covid-induced-precautionary-saving-in-the-us-the-role-of-unemployment-rate>.

Maji, Priyadarshini (2020), "Why Buying Life, Health Insurance has Become a Necessity Today", Financial Express, April 30, 2020, <https://www.financialexpress.com/money/why-buying-life-health-insurance-has-become-a-necessity-today/1944271/>

Prakash, Anupam, Anand Prakash Ekka, Kunal Priyadarshi, Chaitali Bhowmick and Ishu Thakur (2020), "Quarterly Estimates of Households' Financial Assets and Liabilities", *RBI Bulletin*, June 2020.

RBI (2020), "Annual Report 2019-20", Reserve Bank of India.

The Indian Express, "Sections of Households See Rise in Savings After Lockdown", July 09, 2020, <https://indianexpress.com/article/business/sections-of-households-see-rise-in-savings-after-lockdown-6496812/>

⁹ सावधानी के तौर पर इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि 2020-21 की पहली तिमाही के लिए हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत के प्रारंभिक अनुमानों में परिसम्पत्तियों और देनदारियों दोनों में सामान्य से अधिक बदलाव भी हो सकते हैं क्योंकि हाउसहोल्ड्स की हिस्सेदारी के मौजूदा पूर्वानुमानों के आकलन में कोविड-पूर्व के अनुपातों को प्रयोग में लाया गया है।

अनुबंध 1

हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ और देयताएँ : सकल प्रवाह

(जीडीपी का प्रतिशत)

मद	2018-19					2019-20					2020-21
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1
वित्तीय आस्तियाँ											
वित्तीय आस्तियाँ	7.9	10.4	7.3	18.8	11.1	7.9	11.6	10.6	13.4	10.9	21.7
जिनमें से											
1. कुल जमाशायियाँ (ए)+(बी)	-1.2	6.5	0.5	10.2	4.0	0.2	5.9	2.1	7.0	3.8	5.6
(ए) बैंकों में जमाशायियाँ	-1.4	6.3	0.3	10.2	3.8	-0.2	5.6	2.0	6.9	3.6	5.2
i. वाणिज्यिक बैंक	-1.4	6.2	0.2	9.9	3.7	-0.3	5.5	1.2	6.9	3.3	5.1
ii. सहकारी बैंक	-0.1	0.1	...	0.3	0.1	0.1	0.1	0.8	0.1	0.3	...
(बी) बैंकेतर जमाशायियाँ	0.2	0.2	0.2	0.1	0.2	0.4	0.3	0.1	0.1	0.2	0.4
2. जीवन बीमा निधियाँ	1.5	2.1	1.1	3.1	1.9	2.3	2.1	2.0	0.7	1.8	3.3
3. भविष्य निधियाँ और पेंशन निधियाँ	2.2	2.1	2.1	2.1	2.1	2.2	2.2	2.1	2.1	2.2	3.2
(पीपीएफ सहित)											
4. मुद्रा	2.5	-0.7	2.1	1.9	1.5	1.3	-0.5	1.7	3.0	1.4	5.4
5. निवेश, जिनमें से	1.7	-0.8	0.5	0.3	0.4	0.6	0.5	1.3	-0.8	0.4	2.2
i. म्यूचुअल फंड	1.5	-1.0	0.4	0.2	0.3	0.2	0.4	1.3	-0.9	0.2	1.7
6. लघु बचतें (पीपीएफ को छोड़कर)	1.1	1.1	1.1	1.0	1.1	1.4	1.4	1.3	1.3	1.3	2.0
वित्तीय देयताएँ											
वित्तीय देयताएँ	1.8	5.5	2.9	5.6	3.9	0.1	2.8	4.2	3.4	2.6	0.3
निम्नलिखित से लिया गया ऋण (उधार)											
क. वित्तीय निगम (i+ii)	1.8	5.5	2.9	5.6	3.9	0.1	2.8	4.2	3.4	2.6	0.3
(i) बैंकिंग क्षेत्र,	1.0	3.7	2.9	4.7	3.1	-0.3	2.4	3.9	3.0	2.2	-0.4
जिसमें से											
वाणिज्यिक बैंक	0.9	3.7	2.9	4.5	3.0	-1.1	2.3	3.4	2.9	1.9	-0.5
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0.8	1.8	-0.1	0.9	0.9	0.4	0.4	0.3	0.4	0.4	0.7
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	0.2	1.1	-0.1	0.6	0.5	...	0.2	0.6	0.5	0.3	0.5
(बी) आवास वित्त कंपनियाँ	0.5	0.6	...	0.3	0.3	0.3	0.2	-0.3	-0.1	...	0.3
(सी) बीमा कंपनियाँ	0.1	0.1	...	...	...	0.1	...	...	...	...	...
ख. गैर वित्तीय निगम (निजी कॉर्पोरेट कारोबार)	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
ग. सामान्य सरकार	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...

... : नगण्य

स्रोत: लेखकों द्वारा गणना